

INDEX
(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

SEMESTER – VI

Sl. No.	Details of Paper	Page No.
1.	BA (Hons.) Hindi Journalism– DSC 1. जनसम्पर्क - DSC 16 2. डिजिटल संचार के नए आयाम – DSC 17 3. मीडिया शोध – DSC 18	1-7
2.	Pool of DSE 1. मीडिया प्रबंधन (क) 2. शैक्षिक पत्रकारिता (ख) 3. खेल पत्रकारिता (ग)	8-14
3.	Pool of Generic Elective 1. वैकल्पिक मीडिया (क) 2. साइबर मीडिया (ख) 3. Community Outreach	15-21

SEMESTER - 6

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार

Category I

बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार **for Undergraduate Honours**

(B.A. Honours in Hindi Journalism & Mass Communication)

DSC 16 जनसम्पर्क

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 16 जनसम्पर्क	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. जनसंपर्क की अवधारणा से परिचित करना।
2. विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क के उपयोग से अवगत करना।
3. जनसंपर्क की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालना।
4. जनसंपर्क में कौशल विकसित करना।

Learning Outcomes

1. जनसंपर्क की अवधारणा से परिचित होंगे।
2. विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कर लाभान्वित होंगे।
3. जनसंपर्क की कार्यप्रणाली का ज्ञान अर्जित करेंगे।
4. जनसंपर्क के क्षेत्र में दक्ष बनेंगे।

1. जनसंपर्क: अवधारणा और विकास

10 घंटे

- जनसंपर्क का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- जनसंपर्क के विकास का भारतीय परिदृश्य, जनसंपर्क के विकास का वैश्विक परिदृश्य
- जनसंपर्क के सिद्धान्त और साधन

2 जनसंपर्क विभाग: संरचना और कार्य प्रक्रिया **10 घंटे**

- जनसंपर्क विभाग की संरचना और कार्य
- जनसंपर्क के क्षेत्र : सरकारी व निजी क्षेत्र का जनसंपर्क
- जनसंपर्क : आंतरिक एवं बाह्य

3 जनसंपर्क अभियान एवं जनमत निर्माण **10 घंटे**

- जनसंपर्क अभियान
- जनमत निर्माण में जनसंपर्क अधिकारी की भूमिका
- जनसंपर्क अधिकारी के गुण एवं दायित्व

4 जनसंपर्क के विविध आयाम **15 घंटे**

- आपदा प्रबंधन और जनसंपर्क
- जनसंपर्क, विज्ञापन, प्रचार और प्रोपेगेंडा
- जनसंपर्क उद्योग और जनमाध्यम

प्रायोगिक कार्य **30 घंटे**

- किसी एक सरकारी जनसंपर्क विभाग के संगठन और कार्य योजना पर रिपोर्ट लिखना।
- किसी जनसंपर्क अधिकारी का साक्षात्कार लेना।
- आपदा प्रबंधन में जनसंपर्क की भूमिका पर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी एक सामाजिक या स्वास्थ्य विषयक जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा तैयार करना।

संदर्भ पुस्तकें :

1. जनसंपर्क प्रबंधन, डॉ कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन
2. जनसंपर्क सिद्धांत और व्यवहार, डॉ सुशील त्रिवेदी, शशि कांत शर्मा, मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
3. जनसंपर्क अवधारणा एवं बदलता स्वरूप, कृ शि मेहता, किताब घर प्रकाशन
4. जनसंपर्क के विविध आयाम, पवित्र श्रीवस्तव सी के सक्सेना, राजकमल प्रकाशन
5. जनसंपर्क, विज्ञापन एवं प्रसार माध्यम, एन सी पंत, तक्षशिला प्रकाशन

DSC 17 डिजिटल संचार के नए आयाम

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 17 डिजिटल संचार के नए आयाम	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. विद्यार्थियों को डिजिटल संचार के नए रूपों से परिचित कराना।
2. डिजिटल संचार लेखन में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
3. डिजिटल संचार लेखन के व्यावहारिक, नैतिक और वैधानिक आयामों से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी विभिन्न नए डिजिटल प्लेटफार्म की लेखन पद्धति सीखेंगे।
2. विद्यार्थियों को डिजिटल संचार के नए रूपों से परिचित होने और सीखने का अवसर प्राप्त होगा।
3. डिजिटल संचार लेखन के विविध कानूनी और नैतिक आयामों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

1. डिजिटल संचार

10 घंटे

- डिजिटल संचार: स्वरूप और विकास
- डिजिटल संचार के प्रकार, विशेषताएं और सीमाएं
- डिजिटल संचार के उपकरण: इन्टरनेट, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, वेबसाइट, न्यूज पोर्टल, ऐप्स, ओटीटी प्लेटफार्म, इन्टरनेट रेडियो, एचडीटीवी, ई मेल आदि।

2. डिजिटल संचार के नए आयाम

10 घंटे

- वेब ट्रेफिक, गूगल ट्रेंड्स, FB पोस्ट, ट्वीट, ऑडियो बुक, वेब सीरिज
- लाइव चैट, चैट बॉट, चैट जीपीटी, वीडियो चैट, वेब कॉलिंग, लाइव स्ट्रीमिंग, सर्च इंजन मार्केटिंग
- डिजिटल विज्ञापन, शॉर्ट्स वीडियो, रील, मीम्स, ऑडियो वीडियो किस्सागोई, एसएमएस, इमोजी, स्टीकर

3. डिजिटल संचार, मार्केटिंग और जनसम्पर्क

10 घंटे

- डिजिटल जनसम्पर्क के उपकरण, डिजिटल जनसम्पर्क में मार्केटिंग और ब्रांड प्रचार
- मिक्स मार्केटिंग में डिजिटल संचार का उपयोग और ब्रांड निर्माण में डिजिटल संचार का उपयोग, मार्केटिंग लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग और जनसम्पर्क के संबंध
- डिजिटल मार्केटिंग के लिए ऑनलाइन स्पॉन्सरशिप और ब्रांड प्रचार, डिजिटल संचार का उपयोग करने वाले ब्रांड्स की केस स्टडी

4. डिजिटल संचार की संस्कृति और सूचना युग

15 घंटे

- मीडिया सामग्री बनाम डिजिटल मीडिया सामग्री और वर्तमान विचारधारा
- डिजिटल सामग्री और बौद्धिक संपदा, डिजिटल सामग्री के कार्यान्वयन का उपयोग, महत्व और क्षेत्र
- सोशल मीडिया पर डिजिटल सामग्री प्रबंधन का महत्व

प्रायोगिक कार्य:

30 घंटे

- सोशल नेटवर्किंग साइट्स के लिए कंटेंट निर्माण करना।
- किसी सामाजिक मुद्दे पर ऑडियो निर्माण करना।
- किसी कॉलेज इवेंट के लिए शॉर्ट वीडियो का निर्माण करना।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए विज्ञापन का निर्माण करना।
- ब्लॉग बनाकर उसमें फीचर और लेख लिखना।
- डिजिटल मार्केटिंग के लिए डिजिटल जनसंपर्क उपकरण का निर्माण करना।

सहायक पुस्तकें :

1. हर्षदेव, ऑनलाइन पत्रकारिता, समसामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली
2. Tapas ray, online Journalism, Cambridge University press,2011
3. Jim Foust , Online Journalism -Principal and practice for the web, Routledge publisher
4. R G Rosales , The Elements of online Journalism,i Universe,UK
5. Stephen Quinn and Vincent Falk ,Convergent Journalism-An Introduction,focal Press
6. Itule & Andersson (2002),News writing and reporting for today's media, MecGraw Hill publication
7. Davidson Amber -Controversies in digital ethics, Bloomsbury pub.

DSC 18 मीडिया शोध

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC 18 मीडिया शोध	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

Course Objective

1. छात्रों को शोध के महत्व से अवगत कराना।
2. शोध की सामाजिक उपयोगिता की जानकारी देना।
3. मीडिया में शोध सर्वे एवं विषयवस्तु विश्लेषण का महत्व बताना।

Course Learning Outcomes

1. छात्र वैज्ञानिक अध्ययन का महत्व जान पायेंगे।
2. शोध के विविध चरणों की जानकारी से छात्रों की विश्लेषण क्षमता बढ़ेगी।
3. शोधकर्ता के उत्तरदायित्व को जान पायेंगे।
4. साहित्य चोरी एवं संदर्भ लेखन के महत्व का ज्ञान होगा।

1. शोध : अर्थ एवं सिद्धांत

10 घंटे

- शोध : अर्थ, उपयोगिता एवं उद्देश्य
- शोध के विभिन्न प्रकार एवं चरण
- शोध की नैतिकता, शोधकर्ता के उत्तरदायित्व

2. शोध-प्रक्रिया

10 घंटे

- शोध – समस्या का चयन, विषय निर्धारण, चर (वेरिएबल) प्रकार
- साहित्य अवलोकन, उद्देश्य एवं शोध परिकल्पना : अर्थ, प्रकार
- सैंपलिंग : अर्थ, प्रकार एवं आवश्यकता

3. शोध प्रविधि

10 घंटे

- शोध में आँकड़ें : प्राथमिक एवं द्वितीयक
- शोध विधि : सर्वे - अनुसूची एवं प्रश्नावली, विषयवस्तु विश्लेषण, प्रयोगात्मक, केस स्टडी आदि
- प्रश्नावली के प्रकार एवं निर्माण

4. शोध परिणाम एवं साहित्य चोरी

15 घंटे

- आँकड़ों का एकत्रीकरण, व्यवस्थिकरण एवं विश्लेषण
- शोध परिणाम : सामान्यकरण, समस्या, संभावनाएँ एवं उपयोगिता
- संदर्भ सूची: आवश्यकता एवं स्टाइल, साहित्य चोरी

प्रायोगिक कार्य :

30 घंटे

- विभिन्न विषयों पर शोध प्रश्नावली तैयार करना एवं आँकड़ें एकत्रित करना।
- सामाजिक महत्व के किसी विषय पर छात्रों में सर्वे करना।
- सर्वेक्षण से प्राप्त आँकड़ों का व्यवस्थिकरण एवं विश्लेषण करना।
- समाचार पत्रों की विषयवस्तु का विश्लेषण करना।
- ओपिनियन पोल जानने हेतु चुनावी सर्वे करना।

सहायक पुस्तकें :

1. शोध पद्धति, सी आर कोठारी, न्यू ऐज प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुसंधान : प्रक्रिया और प्रविधि, साहित्य सरोवर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. रिसर्च मैथडोलॉजी, लक्ष्मी नारायण कोहली, वायी के प्रकाशन, नई दिल्ली
4. रिसर्च मैथडोलॉजी : ए स्टेप बाय स्टेप गाइड फॉर बिग्नर्स, रणजीत कुमार, सेज पब्लिकेशन

DSE 3 मीडिया प्रबंधन (क)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 3 (क) मीडिया प्रबंधन	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रबंधन से परिचित करना।
2. प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन के स्वरूप एवं संगठन की जानकारी प्रदान करना।
3. मीडिया के अर्थशास्त्रीय प्रबंधन की समस्याओं एवं चुनौतियाँ से अवगत करना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रबंधन से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन के स्वरूप संगठन की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3. विद्यार्थी मीडिया अर्थशास्त्रीय यथार्थ से अवगत होंगे।

1 मीडिया प्रबंधन की अवधारणा

10 घंटे

- मीडिया प्रबंधन : अर्थ और महत्व
- मीडिया प्रबंधन के सिद्धांत
- मीडिया प्रबंधन : प्रबंधन विभाग, नीतियाँ और क्रियान्वयन

2 मीडिया संस्थान : संरचना एवं प्रबंधन

10 घंटे

- मीडिया स्वामित्व और प्रबंधन
- प्रबंधन नियंत्रण कौशल

- राजनीतिक और प्रशासनिक दवाब

3 मीडिया संस्थानों में प्रबंधन का स्वरूप

10 घंटे

- प्रिंट मीडिया का प्रबंधन स्वरूप : (समाचार पत्र और पत्रिकाओं के संदर्भ में संपादकीय प्रबंधन, मुद्रण प्रबंधन एवं वितरण प्रबंधन)
- रेडियो की प्रबंधन प्रक्रिया : (ऑल इंडिया रेडियो और एफ०एम० चैनल के संदर्भ में)
- टेलीविज़न की प्रबंधन प्रक्रिया : (प्रोडक्शन, प्रसारण, विज्ञापन, जनसंपर्क और केबल नेटवर्क प्रबंधन)

4 मीडिया प्रबंधन का आर्थिक पक्ष

15 घंटे

- प्रबंधन और पूँजी नियोजन, मीडिया संस्थानों का अर्थशास्त्र
- विदेशी पूँजी निवेश, मीडिया का बदलता परिदृश्य
- मीडिया संस्थानों की आर्थिक समस्याएँ

प्रायोगिक कार्य

30 घंटे

- किसी एक मीडिया हाउस के प्रबंधक का साक्षात्कार।
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के किसी एक संस्थान का भ्रमण कर उसके प्रबंधन पर रिपोर्ट तैयार करना।
- किसी समाचार पत्र अथवा पत्रिका के प्रबंधन विभाग की जानकारी प्रस्तुत करना।
- किसी भी विषय पर जनसंपर्क अभियान की रूपरेखा तैयार करना।

सहायक पुस्तकें :

1. समाचार एवं प्रबंधन – गुलाब कोठारी – राधाकृष्ण प्रकाशन
2. आधुनिक मीडिया प्रबंधन – डॉ० भगवान देव पाण्डेय – मिथिलेश कुमार पाण्डेय - तक्षशिला प्रकाशन
3. मीडिया प्रबंधन के सांस्कृतिक आयाम – डॉ० टी०एस० 'आलोक' – वाणी प्रकाशन
4. मीडिया प्रबंधन 5 का मंत्र – विजय जोशी और श्री राजेंद्र सिंह – राजकमल प्रकाशन
5. मीडिया प्रबंधन – डॉ० ऋतु गोठी खत्री - लक्ष्य प्रकाशन
6. मानव संसाधन विकास एवं प्रबंधन की रूपरेखा – आर०बी०एस० वर्मा / अतुल प्रताप सिंह- न्यू रॉयल बुक कंपनी (NCBC)

DSE 2 शैक्षिक पत्रकारिता (ख)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 शैक्षिक पत्रकारिता (ख)	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. शैक्षिक पत्रकारिता के महत्त्व से परिचित कराना।
2. शैक्षिक पत्रकारिता के विविध आयामों की जानकारी देना।
3. शिक्षा एवं शिक्षण के स्तर पर जानकारी विकसित करते हुए इस क्षेत्र में प्रशिक्षु पत्रकारों का रुझान पैदा करना।
4. शैक्षिक पत्रकारिता क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी शैक्षिक पत्रकारिता से परिचित होंगे।
2. समाजहित में शैक्षिक पत्रकारिता की उपादेयता को समझेंगे।
3. शैक्षिक पत्रकारिता के महत्त्व से परिचित हो सकेंगे।
4. इस क्षेत्र में रोजगारपरक संभावनाओं से अवगत होंगे।

1 शैक्षिक पत्रकारिता : परिचय

10 घंटे

- शैक्षिक पत्रकारिता: अवधारणा एवं उद्देश्य
- शैक्षिक पत्रकारिता की आवश्यकता और महत्त्व
- शैक्षिक पत्रकारिता का इतिहास

2 शैक्षिक पत्रकारिता: विविध रूप

10 घंटे

- प्रिंट माध्यम और शैक्षिक पत्रकारिता
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों – रेडियो टेलीविज़न में शैक्षिक पत्रकारिता का स्वरूप
- सोशल मीडिया और शैक्षिक पत्रकारिता- (गूगल याहू क्योरा पॉडकास्ट ट्विटर ब्लॉग फेसबुक)

3 शैक्षिक पत्रकारिता : रिपोर्टिंग तकनीक

10 घंटे

- शैक्षिक पत्रकारिता के स्रोत
- शैक्षिक पत्रकारिता-कवरेज क्षेत्र
- शैक्षिक रिपोर्टिंग और लेखन कौशल

4 शैक्षिक पत्रकारिता: विविध आयाम

15 घंटे

- शैक्षिक पत्रकारिता और सामाजिक विकास
- व्यावसायिक दौर में शैक्षिक पत्रकारिता और नैतिक प्रश्न
- शैक्षिक पत्रकारिता चुनौतियाँ और संभावनाएं

प्रायोगिक कार्य :

30 घंटे

- किसी समाचार पत्र के शैक्षिक परिशिष्ट अथवा एक सप्ताह की शैक्षिक खबरों का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुति
- शिक्षा चैनल या रेडियो पर प्रसारित शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों की समीक्षा
- शिक्षा संबंधी मुद्दों पर समूह चर्चा
- अपने विद्यालय अथवा महाविद्यालय परिसर में आयोजित शैक्षिक कार्यक्रमों पर रिपोर्ट लेखन
साक्षात्कार न्यूज़ रील पॉड कास्ट अथवा ब्लॉग लेखन

सहायक पुस्तकें :

1. शिक्षा, मीडिया और राजनीति (वैचारिकी) – तेजपाल सिंह 'तेज़' – बुक वन ग्राफिक्स, दिल्ली
2. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास- मीनाक्षी सिंह, ओमेगा पब्लिकेशन्स , दिल्ली
3. संचार दर्पण – रमेशचंद्र त्रिपाठी, न्यू रॉयल बुक कंपनी, लखनऊ
4. सामाजिक पत्रकारिता – भरत झुनझुनवाला , श्री नटराज प्रकाशन , दिल्ली
5. इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता – डॉ. अजय कुमार सिंह , लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली

DSE 2 खेल पत्रकारिता (ग)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE 2 खेल पत्रकारिता (ग)	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. खेल पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित करवाना।
2. खेल पत्रकारिता की विशेषताओं से अवगत कराना।
3. खेल पत्रकारिता में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी खेल पत्रकारिता के स्वरूप से परिचित होंगे।
2. खेलों का जीवन में महत्व समझेंगे।
3. खेल पत्रकारिता में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

1. खेल पत्रकारिता : सामान्य परिचय

10 घंटे

- खेल पत्रकारिता की अवधारणा और विकास
- प्रमुख खेल एवं प्रतियोगिताएं (ओलंपिक, पैरालम्पिक, राष्ट्रमंडल, एशियाई खेल, क्रिकेट विश्व कप फीफा विश्व कप, सुपर सीरीज, गेंड स्लैम राष्ट्रीय खेल, लीग प्रतियोगिताएँ)
- प्रमुख खेल संस्थाएं : भारतीय खेल प्राधिकरण, भारतीय ओलंपिक संघ, भारतीय खेल फेडरेशन एवं PEFI (फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया)

2. प्रिंट मीडिया में खेल लेखन

10 घंटे

- समाचार पत्र का खेल-पृष्ठ, मैच रिपोर्ट्स, रिव्यू और फॉलो-अप, रिपोर्टिंग
- फीचर प्रोफाइल लेखन, कॉलम लेखन, इंटरव्यू, फोटो पत्रकारिता
- खेल पृष्ठ सम्पादन, खेल आंकड़ों और रिकॉर्ड का महत्व

3. खेल प्रसारण एवं लेखन

10 घंटे

- रेडियो, टीवी, सीधा प्रसारण, ओबी वैन प्रसारण व्यवस्था, रिकार्डेड प्रसारण, विशेष कार्यक्रम निर्मिति
- खेल बुलेटिन, खेल एंकर, कमेंटेटर, मल्टीस्पोर्ट्स प्रसारण, खेल प्रोग्राम पैकेजिंग
- न्यू मीडिया एवं खेल : खेल केन्द्रित वेबसाइट, ब्लॉग, सोशल मीडिया, मोबाइल पत्रकारिता

4. खेल पत्रकारिता एवं समाज

15 घंटे

- खेल पत्रकारिता और अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध
- खेल पत्रकारिता और आचार संहिता
- खेल पत्रकारिता और बाज़ार : खेल मार्केटिंग, खेल आयोजन और मीडिया का व्यवसायिक सम्बन्ध, मर्चनडाइजिंग

प्रायोगिक कार्य

30 घंटे

- खेल विषयक 10 समाचारों का लेखन करना।
- किसी खिलाड़ी अथवा खेल पत्रकार का साक्षात्कार करना।
- खेल पृष्ठ निर्माण करना।
- केस स्टडी (खिलाड़ी/खेल/मुद्दे) पर करना।
- खेल देखकर मोबाइल कमेंट्री करना।
- खेल विषयक डॉक्युमेंट्री निर्माण करना।
- किसी एक खेल की पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग करते हुए रिपोर्ट लिखना।

संदर्भित पुस्तकें :

1. पदमपति शर्मा : खेल पत्रकारिता, प्रभात प्रकाशन, 2011
2. सुशील दोषी, सुरेश कौशिक : खेल पत्रकारिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2006
3. डॉ. आशीष कुमार द्विवेदी : खेल पत्रकारिता के आयाम, हिंदी बुक सेण्टर, 2021

4. प्रो. अनिल कुमार उपाध्याय, डॉ. प्रभाशंकर मिश्र : खेल पत्रकारिता, भारती प्रकाशन, 2018
5. स्मिता मिश्र, सन्नी कुमार गौड : भारतीय खेल : समकालीन विमर्श, सर्वभाषा प्रकाशन, 2022
6. स्मिता मिश्र, सुरेश कुमार लौ, सन्नी कुमार गौड : ओलंपिक गाथा ईश्वरीय मिथक से मानवीय मिथक तक, इंडिया नेटबूक्स, 2021
7. डा. अर्जुन तिवारी : आधुनिक पत्रकारिता, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. रामचंद्र तिवारी : पत्रकारिता के विविध रूप : आलेख प्रकाशन
9. प्रवीण दीक्षित : जनमाध्यम और पत्रकारिता : सहयोगी साहित्य संस्थान, कानपुर
10. Sports Journalism: A Practical Introduction, Second Edition, Phil Andrews, SAGE Publications Ltd, 2014
11. Sports Journalism: An Introduction to Reporting and Writing, Kathryn T. Stofer and James R. Schaffer, Rowman & Littlefield Publishers, 2009

GE (क) वैकल्पिक मीडिया

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (क) वैकल्पिक मीडिया	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. वैकल्पिक मीडिया से परिचित कराना।
2. मुख्यधारा मीडिया और वैकल्पिक मीडिया की कार्य-संस्कृति की जानकारी देना।
3. लोकतंत्र में वैकल्पिक मीडिया का महत्व बताना।
4. वैकल्पिक मीडिया की व्यावसायिक संभावनाओं से परिचित कराना।

Course Learning Outcomes

1. विद्यार्थी वैकल्पिक मीडिया से परिचित हो सकेंगे।
2. मुख्यधारा मीडिया तथा वैकल्पिक मीडिया की कार्य-संस्कृति में दक्षता प्राप्त करेंगे।
3. लोकतंत्र में सरोकारपरक पत्रकारिता से परिचित होंगे।
4. वैकल्पिक मीडिया में व्यावसायिक संभावनाओं से अवगत होंगे।

1. वैकल्पिक मीडिया : परिचय

10 घंटे

- वैकल्पिक मीडिया : अर्थ, अवधारणा, उद्देश्य
- वैकल्पिक मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में अंतर (संगठन और कार्य-संस्कृति)
- वैकल्पिक मीडिया की आवश्यकता और इतिहास

2. वैकल्पिक मीडिया: स्वरूप और संरचना

10 घंटे

- वैकल्पिक मीडिया के विविध रूप (पारंपरिक और आधुनिक)
- सूचना प्रौद्योगिकी और वैकल्पिक मीडिया
- वैकल्पिक मीडिया की विषयवस्तु और भाषा, रिपोर्टिंग का स्वरूप

3. वैकल्पिक मीडिया: विविध परिप्रेक्ष्य

10 घंटे

- वैकल्पिक मीडिया का सामाजिक जीवन पर प्रभाव, वैकल्पिक पत्रकारिता (लघु पत्र-पत्रिकाएं, शार्ट फिल्मस, ओटीटी, यूट्यूब, ब्लॉग)
- रोजगार के परिप्रेक्ष्य में वैकल्पिक मीडिया, अर्थ-स्रोत
- वैकल्पिक मीडिया की चुनौतियां और संभावनाएं, न्यू मीडिया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता

4. वैकल्पिक मीडिया: समसामयिक विमर्श

15 घंटे

- वैकल्पिक मीडिया में हाशिए का समाज, संस्कृति उद्योग और वैकल्पिक मीडिया
- वैकल्पिक मीडिया : विचारधारा, एजेंडा सेटिंग, सामाजिक आंदोलन
- वैकल्पिक मीडिया का वर्ग-चरित्र और नैरेटिव (तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य)

प्रायोगिक कार्य :

30 घंटे

- मुख्यधारा मीडिया तथा वैकल्पिक मीडिया के स्वरूप का अध्ययन कर रिपोर्ट प्रस्तुति
- वैकल्पिक मीडिया के विस्तार, विषय, कार्य-संस्कृति पर समूह चर्चा और वार्ता
- समसामयिक विमर्शों से संबद्ध व्यावहारिक परियोजना कार्य
- वैकल्पिक मीडिया में सामाजिक आंदोलनों की उपस्थिति पर केस स्टडी
- वैकल्पिक मीडिया में भारतीय संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों की उपस्थिति पर टिप्पणी लेखन
- सर्वे के आधार पर किसी एक वैकल्पिक मीडिया की कार्यशैली, टारगेट ऑडियंस तथा अर्थ-तंत्र पर रिपोर्ट प्रस्तुत करना

सहायक पुस्तकें :

1. मीडिया, शासन और बाजार, अरविन्द मोहन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर
2. वैकल्पिक मीडिया, लोकतंत्र और नॉम चॉम्स्की, सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. मीडिया विमर्श, रामशरण जोशी, सामयिक प्रकाशन
4. मीडिया और बाजारवाद, रामशरण जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन
5. पत्रकारिता के नए आयाम, सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन
6. पत्रकारिता के नए आयाम, एस के दुबे, राजकमल प्रकाशन
7. भारत में प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक और न्यू मीडिया, संदीप कुलश्रेष्ठ, प्रभात प्रकाशन

GE (ख) साइबर मीडिया

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE (ख) साइबर मीडिया	4	3		1		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- जनसंचार में साइबर मीडिया का महत्व बताना।
- साइबर मीडिया के विविध आयामों की जानकारी देना।
- साइबर मीडिया के एप्लीकेशन्स से अवगत कराना।
- समाचार वेबसाइट, ब्लॉग और मोबाइल कम्युनिकेशन के लिए कंटेंट निर्माण का परिचय देना।
- साइबर कानून और उसमें नैतिकता के महत्व से अवगत कराना।

Course Learning Outcomes

- संचार प्रौद्योगिकी की समझ विकसित होगी।
- साइबर मीडिया का प्रभावशाली तरीके से प्रयोग करना सीखेंगे।
- ऑनलाइन समाचार मीडिया के लिए रिपोर्टिंग एवं लेखन का कौशल प्राप्त करेंगे।
- ऑनलाइन मीडिया के लिए विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कंटेंट विकसित करने का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- साइबर कानून, साइबर अपराध और साइबर सुरक्षा संबंधी समझ विकसित होगी।

- साइबर मीडिया: परिभाषा, महत्व और भारत में साइबर पत्रकारिता
- साइबर मीडिया तकनीक और विशेषताएं
- साइबर मीडिया और मीडिया के अन्य रूपों में अंतर, संचार माध्यम के रूप में साइबर मीडिया

2 ऑनलाइन मीडिया रिपोर्टिंग

10

- ऑनलाइन पत्रकारिता: उद्देश्य, प्रकार एवं विशेषताएं
- ऑनलाइन समाचार मीडिया के लिए रिपोर्टिंग: परंपरागत रिपोर्टिंग, मुक्त स्रोत (ओपन सोर्स) रिपोर्टिंग एवं वर्गीकृत रिपोर्टिंग
- ऑनलाइन पत्रकारिता के ट्रेंड्स एवं ऑनलाइन पत्रकार की विशेषताएं

3 ऑनलाइन मीडिया के लिए लेखन

10

- ऑनलाइन लेखन : तत्व एवं विशेषताएं, कहानी एवं समाचार विकास के लिए डिजिटल मीडिया पर ग्राफ, इंफो ग्राफिक्स, मानचित्र, कार्टून, संकेतों और प्रतीकों का उपयोग
- ऑनलाइन लेखन के प्रकार: ब्रेकिंग न्यूज़, न्यूज़ स्टोरी , मल्टीमीडिया दृश्य स्टोरी लेखन, प्लेटफॉर्म आधारित ऑनलाइन मीडिया लेखन: न्यूज़ वेबसाइट और ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स के लिए लेखन, अंतर्संबंध (इंटरएक्टिव) लेखन, एसईओ (SEO) आधारित ऑनलाइन मीडिया लेखन, फैक्ट चेकिंग
- ई-मेल लिखना, ट्विटर के लिए लेखन – ट्वीट, ट्वीट संबंधी लेखन दिशानिर्देश, ट्विटर टिप्स और उपकरण, फेसबुक पर लेखन, ब्लॉग लेखन, विषय-वस्तु का चुनाव करना, कहानियों का क्रम बनाना, पाठकों की संख्या बनाए रखना, चुनौतियाँ एवं ब्लॉग कमेंट

4 साइबर अपराध और कानून

15

- साइबर मीडिया और साइबर कानून, परिचय एवं आवश्यकता
- आईसीटी (ICT) 2000, 2008, 2021, बैंक और ई-रिकॉर्ड के रखरखाव संबंधी नीति
- हैकिंग: नैतिक और अनैतिक, स्थिति, साइबर अपराध एवं भारत में वेबसाइटों की निगरानी और ब्लॉक करने की शक्तियाँ

प्रायोगिक कार्य :

30

- ब्लॉग निर्माण एवं लेखन।
- हिंदी के प्रमुख ब्लॉगों का स्वरूप और सामग्री की दृष्टि से अध्ययन और समीक्षा।
- किसी वेब पोर्टल की सामग्री का विश्लेषण और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- ऑनलाइन मीडिया संबंधित केस स्टडी का अध्ययन और उसकी रिपोर्ट तैयार करना।
- मल्टीमीडिया के प्रयोग से विविध डिजिटल डिवाइस पर कंटेंट बनाना।
- सामाजिक संदेशों के लिए ट्विटर का प्रयोग और सामग्री पर ऑनलाइन मीडिया हेतु रिपोर्ट तैयार करना।
- वेबसाइट डिजाइन करना और कंटेंट बनाना।

सहायक पुस्तकें :

1. इंटरनेट पत्रकारिता, सुरेश कुमार, तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली
2. ऑनलाइन पत्रकारिता, हर्ष देव, सम सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
3. ऑनलाइन जर्नलिज्म, तपस रे, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस
4. ऑनलाइन जर्नलिज्म-प्रिंसिपल एंड प्रैक्टिस फॉर दि वेब, जिम फोस्ट, रुठलेस प्रकाशन
5. द एलिमेंट्स ऑफ ऑनलाइन जर्नलिज्म, आरजी रोजेल्स, यूनिवर्स प्रेस, यूके
6. साइबर क्राइम : इंपैक्ट इन द मिलेनियम, आरसी मिश्रा, ऑथर प्रेस
7. ब्लॉग्स : इमर्जिंग कम्युनिकेशन मीडिया, डी. सतीश एंड राजेश प्रभाकर कालिया, द आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी प्रेस

Community outreach (2)

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tute	Practical/Practic		
Community Outreach	2			2		

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

1. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति मीडिया छात्रों को जागरूक करना।
2. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित करना।
3. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित करना।
4. छात्रों में मीडिया व्यवसाय की व्यावहारिक समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

1. समाज के विभिन्न मुद्दों के प्रति छात्र जागरूक होंगे।
2. छात्रों में सामाजिक सरोकार की समझ विकसित होगी।
3. मीडिया व्यवसाय का व्यावहारिक कौशल विकसित होगा।
4. समाज, संस्थान और मीडिया उद्योग में समन्वय स्थापित होगा।

Syllabus :

120 घंटे

1. विविध समुदायों के साथ मीडिया जागरूकता पर कार्यशाला।
2. विभिन्न मीडिया चैनलों द्वारा आयोजित चर्चा में हिस्सा लेना।
3. मीडिया संस्थानों का भ्रमण (समाचार-पत्र, पत्रिका, रेडियो एवं टीवी)
4. विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की रिकॉर्डिंग तैयार करना।

5. विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों के विविध कार्यक्रमों की कवरेज करना (प्रिंट, रेडियो, वीडियो, लाइव)
6. भ्रमण एवं गतिविधियों की साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना।
7. समाज के विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों के साक्षात्कार करना।
8. संबंधित शिक्षक से नियमित चर्चा एवं मार्गदर्शन में विभिन्न मीडिया गतिविधियों को कार्यान्वित करना।
9. स्थानीय मुद्दों पर रिपोर्टिंग और परिचर्चा का आयोजन कराना।
10. मीडिया लैब में मीडिया कार्यक्रम तैयार करना।

फील्ड वर्क सेमेस्टर में :

- सप्ताह में न्यूनतम 4 घंटे छात्र को समाज में देने होंगे। कार्य की जांच (1 घंटा) समूह मार्गदर्शन (1 घंटा)
- छात्रों की सामुदायिक भ्रमण में 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- छात्रों का मीडिया संस्थान या समाज में भ्रमण शिक्षकों के देख-रेख एवं निर्देशन में होगा।

नोट : हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑडियो-वीडियो मीडिया लैब अनिवार्य है। छात्रों के प्रायोगिक प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय में अपेक्षित मीडिया उपकरण, तकनीकी क्षमता रखने वाले सहायक कर्मी, उपयोगी सॉफ्टवेयर एवं कम्प्यूटर के साथ प्रोजेक्टर और इंटरनेट की सुविधा की व्यवस्था होनी चाहिए।